



2nd - ग्रेड

वरिष्ठ अध्यापक

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)

सामाजिक विज्ञान

द्वितीय - प्रश्न पत्र

भाग - 1

भूगोल (विश्व, भारत और राजस्थान)

RPSC 2ND GRADE - 2021

भूगोल (विश्व, भारत और राजस्थान)

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	पृथ्वी की आन्तरिक संरचना	1
2.	महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति	7
3.	महाद्वीप एवं महासागरों की विशेषता	24
4.	महासागरीय जल धाराएँ एवं ज्वार भाटा	33
5.	पृथ्वी की गतियाँ	36
6.	अक्षांश एवं देशान्तर	38
7.	आकस्मिक संचलन	43
8.	वायुमण्डल	55
9.	पृथ्वी का सूर्यातप एवं ऊष्मा बजट	57
10.	वायुदाब एवं वायुदाब पेटियाँ	60
11.	पवनें	62
12.	भारत की भौगोलिक स्थिति	68
13.	भारत का मानसून	102
14.	भारत की मृदा	110
15.	भारत की वनस्पति	115
16.	भारत की कृषि	127
17.	भारत के प्रमुख उद्योग	147
18.	भारत की जनसंख्या	152
19.	राजस्थान की भौगोलिक स्थिति	156
20.	राजस्थान की जलवायु	203
21.	राजस्थान की वनस्पति	214
22.	राजस्थान की कृषि	223

23	राजस्थान की श्रपवाह प्रणाली	234
24	राजस्थान के प्रमुख खनिज	267
25	राजस्थान के प्रमुख उद्योग	282
26	राजस्थान की जनसंख्या	298

पृथ्वी की आन्तरिक संरचना

A. स्रोत

(a.) उत्पत्ति संबंधित सिद्धांत

- (I.) लाप्लास की निहारिका परिकल्पना के अनुसार पृथ्वी का क्रोड भाग **तरल** होगा।
- (II.) चेम्बरलीन एवम् मोल्टन की ग्रहाणु परिकल्पना के अनुसार पृथ्वी को क्रोड भाग अथवा केन्द्र ठोस होगा।

(b.) प्रत्यक्ष स्रोत

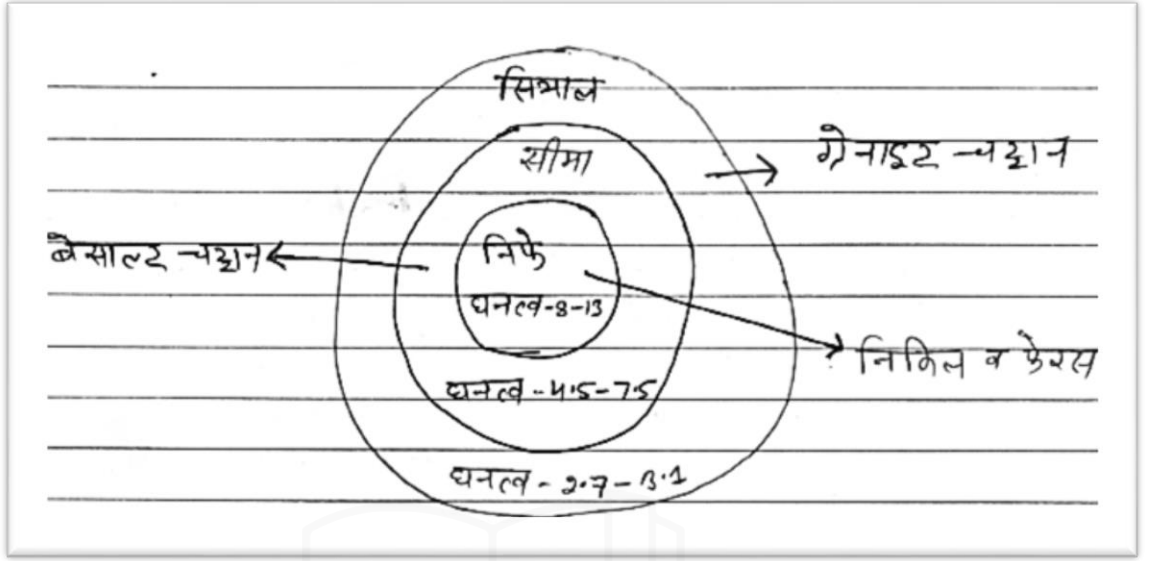
- (I.) मानव द्वारा खुदाई –
- (II.) ज्वालामुखी का फटना–

(c.) अप्रत्यक्ष स्रोत

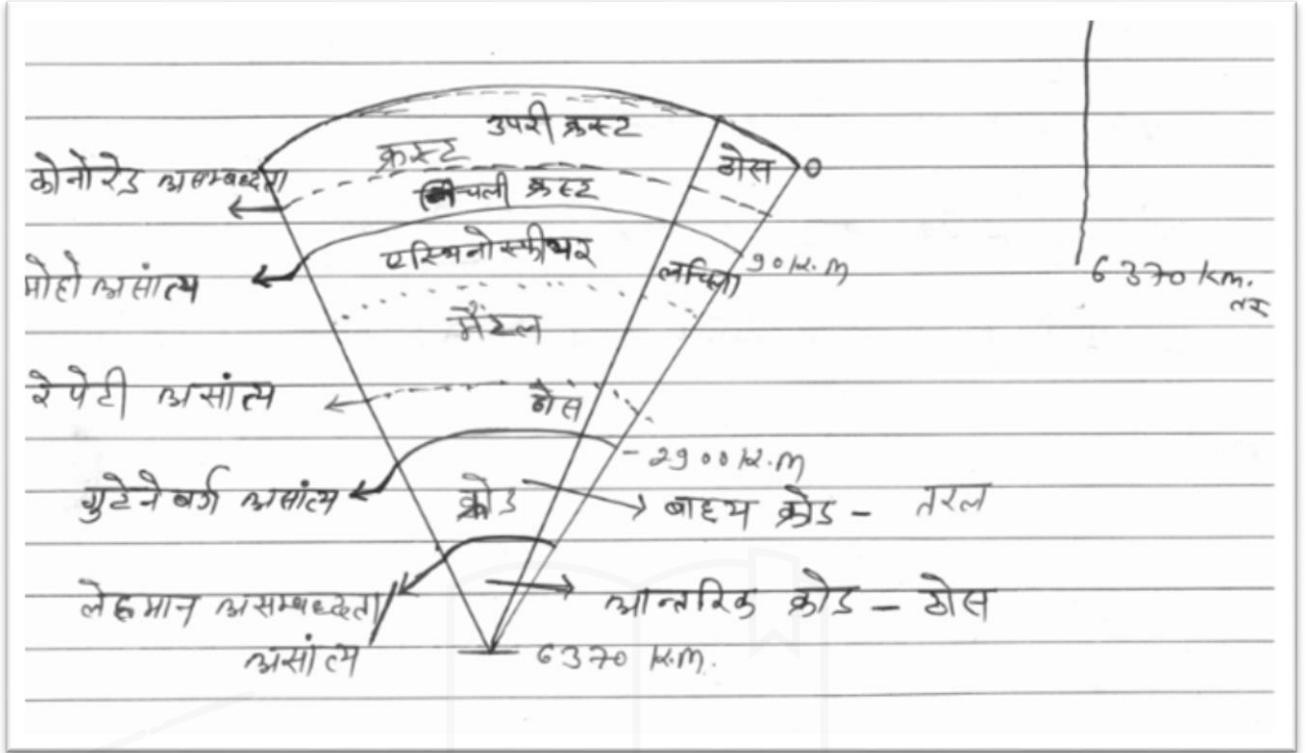
- (I.) घनत्व
- (II.) दबाव
- (III.) तापमान
- (IV.) उल्कापात/उल्कापिंड
- (V.) भूकम्प विज्ञान (सीस्मोलॉजी)

- (I.) घनत्व – पृथ्वी की उपरी सतह से केन्द्र तक जाने पर घनत्व बढ़ता जाता है।
- (II.) तापमान – तापमान प्रति 32 मीटर की गहराई पर 1 सेन्टीग्रेट की दर से बढ़ता जाता है। लेकिन यह स्थिति केवल 8 कि.मी. की गहराई तक है।
- (III.) उल्कापिंड – उल्कापिंड व पृथ्वी दोनों ही सूर्य के भाग हैं। अतः उल्कापिंड की आन्तरिक संरचना के आधार पर पृथ्वी की आन्तरिक संरचना का अनुमान लगाया जाता है।
- (IV.) भूकम्प विज्ञान – पृथ्वी की आन्तरिक भाग की जानकारी का **सर्वमान्य एवं प्रमाणिक** स्रोत है।

पृथ्वी की आन्तरिक संरचना एडवर्ड स्वेस के अनुसार



1. सियाल/भूपर्पटी/बत्नेजैधैर - इसमें सिलिका व एल्यूमिनियम खनिजों की अधिकता पाई जाती है।
 - इसकी गहराई - 90 कि.मी.
 - औसत घनत्व - 2.7 - 3.1
 - अम्लीय पदार्थों की अधिकता
 - ग्रेनाइट चट्टानें पाई जाती है।
 - यह सबसे हल्की परत है।
2. सीमा/प्रावार/METAL - सिलिका व मैग्नीशियम खनिजों की अधिकता पाई जाती है। इसकी गहराई - 2900 कि.मी.
 - घनत्व - 4.5 - 7.5
 - क्षारीय पदार्थों की अधिकता
 - बेसाल्ट चट्टानें पाई जाती है।
3. निफे/भूकोड/Core/NIFE :- इसमें निकिल व फेरस (लोहा) खनिजों की अधिकता होती है।
 - इसमें चुम्बकीय गुण पाया जाता है।
 - गहराई - 6370 कि.मी.
 - घनत्व - 8-13
 - यह सबसे भारी परत है।



आधुनिक मत

असम्बद्धता/असांतत्य :- पृथ्वी के आन्तरिक भाग में अचानक तेजी से घनत्व परिवर्तन होना।

1. कोनोरेड असम्बद्धता - ऊपरी व निचली क्रस्ट को अलग करती है।

2. मोहो असांतत्य - क्रस्ट व मेंटल को अलग करती है।

3. रेपेटी असांतत्य - 700 कि.मी. की गहराई में ऊपरी व निचली मेंटल को अलग करती है।

4. गुटेनबर्ग/ विचार्ट - मेंटल व क्रोड को अलग करती है।

5. लेहमान असम्बद्धता - आन्तरिक व बाह्य क्रोड को अलग करती है।

- पृथ्वी का औसत घनत्व - 5.51 ग्राम/घन सेन्टीमीटर
- आन्तरिक क्रोड का आकार - जैलीफिश
- पृथ्वी की सबसे आन्तरिक परत को बेरीम्फीयर भी कहा जाता है।

महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति

महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति के सिद्धान्त

संकुचन आधारित

- (i) लार्ड कैल्विन का संकुचन सिद्धान्त
- (ii) लैपवर्थ का वलन क्रिया सिद्धान्त
- (iii) लोथियन ग्रीन का चतुष्फलक सिद्धान्त

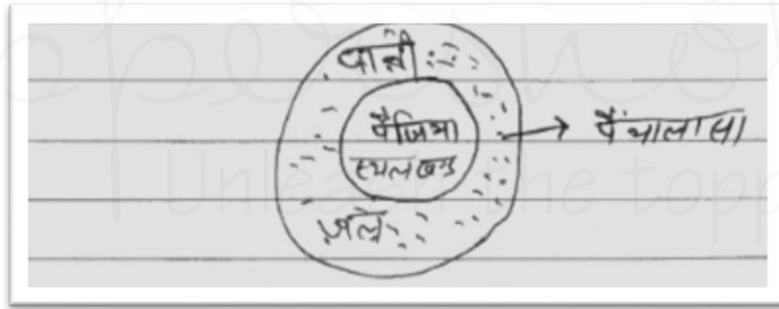
प्रवाह/विस्तार आधारित

- (i) वेगनर का महाद्वीपीय प्रवाह
- (ii) प्लेट विवर्तनिकी हैरी हैस का

- विश्व में सर्वप्रथम महाद्वीपों के जुड़े होने की बात 1596 ई. में अब्राहम ऑरटेलियस ने कही।
- विश्व में सर्वप्रथम महाद्वीपीय प्रवाह की संकल्पना 1908 ई. में F.B. टेलर।
- महाद्वीपीय प्रवाह सिद्धान्त **अल्फ्रेड वेगनर** ने दिया। 1912 ई. में।

महाद्वीपीय प्रवाह सिद्धान्त

- वेगनर कार्बोनिफेरस कल्प से पहले सभी महाद्वीप जुड़े हुए थे जिन्हें **पैजिया** कहा।
- पैजिया के चारों तरफ एक विशाल महासागर था जिसे —**पैथालासा** नाम दिया।



- कार्बोनिफेरस काल में पैजिया दो भागों में विभाजित हो गया ।
 - (I.) उत्तरी भाग — लोरेन्शिया (अंगारालैण्ड)
 - (II.) दक्षिणी भाग — गौडवाना लैण्ड
- अंगारालैण्ड व गौडवानालैण्ड के मध्य **टेथिस सागर** का निर्माण हुआ। अंगारालैण्ड से उत्तरी अमेरिका, यूरेशिया बनें तथा गौडवानालैण्ड से दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, प्रायद्वीप भारत, आस्ट्रेलिया अटार्कटिक बनें।
- वेगनर के सिद्धान्त में प्रयुक्त बल
 - (a.) ध्रुवीय फलांङ्ग बल/गुरुत्व बल— इस बल के प्रभाव से महाद्वीपीय खण्ड विषुवत् रेखा की ओर प्रवाहित हुए।
 - (b.) सूर्य व चन्द्रमा का ज्वारीय बल — महाद्वीपीय खण्ड पश्चिम की ओर प्रभाव हुआ।

● **वेगनर (सिद्धान्त के पक्ष में प्रमाण) –**

- (I.) महाद्वीपीय तटों में समानता
- (II.) प्लेसर निक्षेप
- (III.) चट्टानों की संरचना में समानता
- (IV.) टिलाइट-हिमानी द्वारा निर्मित चट्टानें जो दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका में पाई जाती हैं।

● **हैरी हेस का प्लेट विवर्तनिक सिद्धान्त –** 1967 ई. में महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति का सबसे प्रमाणिक सिद्धान्त

- प्लेट शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 1965 ई. में **टुजो विल्सन** ने किया।

इस सिद्धान्त के आधार –

1. वेगनर का महाद्वीपीय प्रवाह सिद्धान्त
2. सगर तली का प्रसारण (नितल)

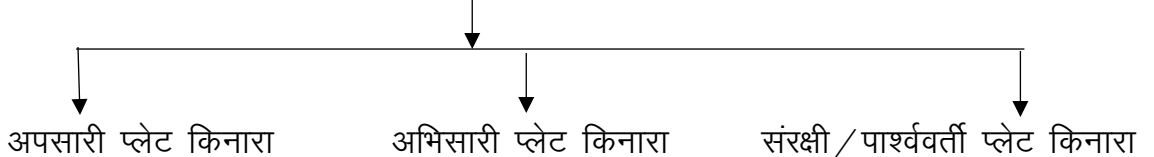
प्लेट प्रवाह का कारण–

- पृथ्वी के आन्तरिक भाग में रेडियो एक्टिव पदार्थों की सक्रियता एवं पृथ्वी के आन्तरिक ताप से दुर्बलता मण्डल (एस्थिनोस्फियर) में संवहन तरंगों की उत्पत्ति होती है। जिससे प्लेटों में प्रवाह होता है।
- विश्व में कुल 7 बड़ी एवं 20 गौण प्लेट है।
 - (i) यूरेशियन प्लेट – महाद्वीपीय प्लेट
 - (ii) अफ्रीकन प्लेट – [NOTE = मॉर्गन के अनुसार बड़ी प्लेटें 6 हैं।]
 - (iii) उत्तरी अमेरिकी प्लेट
 - (iv) दक्षिणी अमेरिकी प्लेट
 - (v) अंटार्कटिक प्लेट
 - (vi) प्रशान्त/पैसिफिक प्लेट – सबसे बड़ी व महासागरी प्लेट
 - (vii) इण्डो. ऑस्ट्रेलियन प्लेट

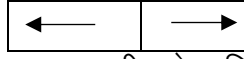
● **प्रमुख गौण प्लेटें**

- (i) अरेबियन प्लेट – अफ्रीकन व यूरेशियन प्लेट के मध्य
- (ii) कोकोस प्लेट – मध्य अमेरिकी देशों व प्रशान्त प्लेट के मध्य
- (iii) नजका प्लेट – प्रशान्त प्लेट व दक्षिणी अमेरिकी प्लेट के मध्य
- (iv) कैरीबियन प्लेट – उत्तरी अमेरिकी व दक्षिणी अमेरिकी प्लेट के मध्य

प्लेट किनारों के प्रकार



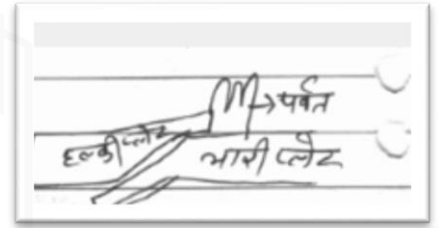
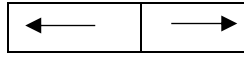
1. अपसारी प्लेट किनारा



अपसारी प्लेट किनारा

- जब दो प्लेट अपसरण करते हुए एक-दूसरे से दूर जाती है तो दुर्बलता मण्डल से मैग्मा निकलने से नयी संरचना का निर्माण होता है। अतः इसे संरचनात्मक प्लेट किनारा भी कहते हैं।

2. अभिसारी प्लेट किनारा



जब दो प्लेट अभिसरण करते हुए आमने – सामने टकराती है तो अधिक घनत्व वाली प्लेट दुर्बलता मण्डल में क्षेपित हो जाती है।

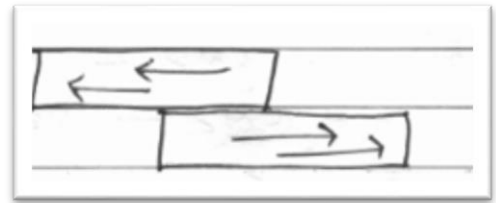
जिससे प्लेटों के किनारों का विनाश होता है। अतः इसे विनाशकारी प्लेट कहते हैं।

हल्के घनत्व वाली प्लेट भारी घनत्व वाली प्लेट पर चढ़ने के कारण ऊँचे-ऊँचे पर्वत बनते हैं।

जैसे :- प्रशान्त प्लेट व उत्तरी व दक्षिणी अमेरिकन प्लेट के टकराने से रॉकी एवं एण्डीज पर्वतों का निर्माण हुआ।

(d.) संरक्षी/पार्श्ववर्ती प्लेट किनारा

जब दो प्लेटे एक-दूसरे के अगल-बगल में खिसकती है तो ना तो कोई नयी संरचना का निर्माण होता है ना ही प्लेटों के किनारे का विनाश होता है बल्कि रगड़न से ऊर्जा का निष्कासन होता है जिससे भूकम्प आते हैं।



- महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण सिद्धान्त—
 - पर्वत निर्माणकारी सिद्धान्त – ऑर्थर हॉम्स
 - भूसन्नती सिद्धान्त – कोबर
 - महाद्वीपीय फिसलन सिद्धान्त – डेली
 - तापीय संकुचन – जेफ्रीज
 - रेडियो एक्टिवता का सिद्धान्त – जोली

fo' o ds महाद्वीप

महाद्वीप का अर्थ

आपस में जुड़ी भूमि को महाद्वीप कहा जाता है, पूर्व में महाद्वीप शब्द का प्रयोग प्रायद्वीपीय क्षेत्रों या टापुओं को कहा जाता था। विश्व में कुल सात महाद्वीप हैं

एशिया → अफ्रीका → उत्तरी अमेरिका → द. अमेरिका → अंटार्कटिका → यूरोप → ऑस्ट्रेलिया

- सर्वप्रथम यूनानी भूगोलवेत्ता स्ट्रेबों ने विश्व को दो भागों में बाँटा है –
 1. एशिया
 2. यूरोप
- हेरोडोटस ने तीन भागों में बाँटा है –
 1. एशिया
 2. यूरोप
 3. अफ्रीका
- अमेरिका की खोज—कोलम्बस 1492 ई. में ।
- आस्ट्रेलिया की खोज – जेम्स कुक द्वारा ।
- पृथ्वी के कुल भाग के केवल 29.2% क्षेत्रफल पर महाद्वीप स्थित हैं ।
- पृथ्वी के 70.8% क्षेत्र पर जल का विस्तार है ।

महाद्वीप	क्षेत्रफल	जनसंख्या की दृष्टि से स्थान	क्षेत्रफल की दृष्टि से स्थान	सबसे लम्बी नदी	सबसे ऊँचा पर्वत	सबसे बड़ी झील	सागर से नीचे स्थित बिन्दू
1. एशिया	30.6%	प्रथम	प्रथम	यांगटिसिक्वांग	माउण्ट एवरेस्ट	कैस्पियन सागर	मृत सागर
2. अफ्रीका	20%	द्वितीय	द्वितीय	नील	किलिमंजारो	विक्टोरिया झील	असल झील
3. उत्तरी अमेरिका	16.3%	चतुर्थ	तीसरा	मिसिसिपी मिसौरी	माउण्ट मैकिले	सुपीरियर	डैथ वैली
4. दक्षिणी अमेरिका	11.8%	पाँचवाँ	चौथा	अमेजन	एकांकागुआ	टिटीकाका	वाल्डेस प्रायद्वीप
5. अंटार्कटिका	9.6%	—	पाँचवाँ	—	विंसन मौसिफ	—	बैण्टले ट्रेंच
6. यूरोप	6.5%	तृतीय	छठा	वोल्गा	माउण्ट एल्ब्रूस	लैडोगा	कैस्पियन सागर
7. आस्ट्रेलिया	5.2%	छठा	सतवाँ	मर्रे डार्लिंग नदी	माउण्ट कोस्यूसको	आयर	आयर झील

एशिया महाद्वीप

- एशिया जनसंख्या तथा क्षेत्रफल की दोनों की दृष्टिकोण से विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है, जो कि पूर्वी व उत्तरी गोलार्द्ध में अवस्थित है।
- एशिया का कुल क्षेत्रफल 4 करोड़ 50 लाख वर्ग कि.मी. है, जो कि विश्व के कुल स्थल भाग का लगभग एक-तिहाई भाग है।
- इस महाद्वीप की जनसंख्या लगभग 4.4 अरब है।
- यूराल पर्वत, कैस्पियन सागर, काकेशस पर्वत, काला सागर, लाल सागर इसे यूरोप महाद्वीप से अलग करते हैं।
- स्वेज नहर एशिया को अफ्रीका से अलग करती है।
- एशिया व उत्तरी अमेरिका बेरिंग जल संधि द्वारा तो एशिया व ऑस्ट्रेलिया, न्यूगिनी द्वीप द्वारा आपस में जुड़े हैं।
- अनातोलिया का पठार (तुर्की) प्राचीन शैलों से बना है, जो पोण्टिक व टौरस पर्वत के मध्य स्थित है।
- एशिया में तटीय बेसिन व गोबी का विशाल ठण्डा मरुस्थल है।
- काराकोरम पर्वत श्रृंखला जम्मू कश्मीर तथा पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम भाग में फैली है, जिसकी सर्वोच्च चोटी गॉडवीन ऑस्टिन (8611 मी.) है, जो माउण्ट एवरेस्ट के बाद विश्व की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।
- एशिया में सिंधु, गंगा-ब्रह्मपुत्र, इरावदी, मेकाँग, सिक्कांग, यांगटिसिक्कांग, दजला-फरात, ह्वांगहो नदियों का उपजाऊ क्षेत्र है।
- एशिया का विशाल आकार, व्यापक अक्षांशीय विस्तार तथा उच्चावच, यहाँ के विविध जलवायु के कारक हैं, पूर्वी द्वीप समूह जहाँ विषुवतीय जलवायु मिलती है।
- पश्चिम एशिया में उष्ण एवं शुष्क जलवायु पाई जाती है एवं कई मरुस्थलों का विस्तार है।
- यहाँ की जलवायवीय भिन्नता प्राकृतिक वनस्पति एवं अन्य जीवों की विभिन्नता को जन्म देती है। यहाँ पर एक ओर आर्कटिक टुण्ड्रा की काई और लाइकेन, दूसरी ओर दखिण-पूर्व एशिया के सघन वर्षा वन पाए जाते हैं।
- एशिया के उत्तरी तट के सहारे टुण्ड्रा वनस्पति पाई जाती है। अत्यधिक ठण्ड के कारण यहाँ काई और लाइकेन जैसी सूक्ष्म वनस्पति पाई जाती है। रेण्डियर यहाँ का मुख्य पशु है।
- यहाँ टुण्ड्रा प्रदेश के दक्षिण में शंकुधारी वृक्षों वाली टेगा वनस्पति पाई जाती है। चीड़, फर, स्पूस आदि महत्वपूर्ण हैं।
- यहाँ शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान पाये जाते हैं, जिसे स्टेपीज कहा जाता है।
- एशिया के नेपाल के दक्षिणी भाग में दलदली तराई भाग है, इसके उत्तरी भाग में हिमालय पर्वत है, जिसमें विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (सागरमाथा) है। जिसकी ऊँचाई 8848 मीटर है।
- पाकिस्तान सर्वाधिक नहरो वाला देश है।
- भूटान में भारत की मदद से चोखा जल विद्युत परियोजना, ताला जल विद्युत परियोजना चलाई जा रही है।
- तकला माकन का ठण्डा रेगिस्तान तारिम बेसिन में अवस्थित है।
- एशिया की सबसे लम्बी नदी यांगटिसिक्कांग (6300 कि.मी.) है जो चीन में बहती है।
- ह्वांगहो नदी को बाढ़ की विभीषिका के कारण चीन का शोक कहा जाता है।
- चीन विश्व में कृषि उत्पादों का सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता है। चावल, गेहूँ, कपास, तम्बाकू के उत्पादन में प्रथम स्थान रखता है।
- जापान "सूर्योदय का देश" कहलाता है, यहाँ फ्यूजीयामा नामक सक्रिय ज्वालामुखी स्थित है।
- जापान में आने वाले उष्ण कटिबंधीय चक्रवात टायफून कहलाते हैं।
- इण्डोनेशिया की सबसे ऊँची चोटी पुनकाक जाया है व क्राकातोआ यहाँ का प्रसिद्ध ज्वालामुखी पर्वत है।

एशिया मे स्थित पर्वत

- | | |
|----------------------|--------------------------------------|
| 1. हिमालय | – विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत |
| 2. फ्यूजीयामा | – जापान का सबसे बड़ा पर्वत |
| 3. एल बुर्ज | – आर्मेनियन गाँठ से संबंध (ईरान) |
| 4. हिन्दुकुश | – पामीर गाँठ के पश्चिम भाग में स्थित |
| 5. मकरान | – ईरान के दक्षिण-पूर्व में स्थित |
| 6. सारामती शिखर | – म्यांमार का सबसे ऊँचा पर्वत |
| 7. स्टालिन | – रूस का सबसे ऊँचा पर्वत |
| 8. गॉडविन ऑस्टिन K-2 | – भारत की सबसे ऊँची चोटी |
| 9. नमक, किरथर | – पाकिस्तान |
| 10. अराकान योमा | – म्यांमार |
| 11. यूराल, बैकाल | – रूस |
| 12. ओलम्पस | – साइप्रस |
| 13. माउन्ट ऐपो | – फिलीपीन्स |
| 14. थ्यानशान | – चीन का सर्वोच्च शिखर |

एशिया में प्रमुख पठार

- | | |
|----------------------|--|
| 1. पामीर का पठार | – ताजिकिस्तान (पामीर के पठार को दुनिया/विश्व की छत कहा जाता है। |
| 2. अनातोलिया का पठार | – तुर्की में स्थित है। |
| 3. लोएस का पठार | – उत्तरी चीन में स्थित है। |
| 4. साइबेरिया का पठार | – रूस में स्थित है। |
| 5. तिब्बत का पठार | – चीन के पश्चिम में स्थित है। यह विश्व का सबसे ऊँचा व सबसे बड़ा पठार है। |

एशिया की प्रमुख नदियाँ

- | | |
|-------------------|--|
| 1. यांगटिसीक्यांग | – एशिया की सबसे लम्बी नदी जो चीन में स्थित है। |
| 2. ह्वांगहो नदी | – चीन का शोक, पीली नदी। |
| 3. यूराल नदी | – रूस के यूराल पर्वत से निकलकर कैस्पियन सागर में गिरती है। |
| 4. जोर्डन नदी | – इजरायल |
| 5. दजला नदी | – इराक |
| 6. फरात नदी | – तुर्की |
| 7. सीक्यांग नदी | – यूनान के पठार से उद्गम इस नदी का प्रवेश चावल की कृषि के लिए प्रसिद्ध है। |
| 8. मीकांग नदी | – तिब्बत के पठार से निकलकर दक्षिणी चीन सागर में गिरती है। |

नोट – (i) मिकांग नदी को “दक्षिण-पूर्वी एशिया की डेन्यूब” कहा जाता है।

(ii) विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा गंगा-ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्र में “सुन्दर वन डेल्टा” है।

एशिया की प्रमुख झीलें

- | | |
|------------------|---|
| 1. लेक बैकाल | – यह विश्व की सबसे गहरी झील है जो रूस में स्थित है। |
| 2. लेक वॉन | – विश्व की सबसे खारे पानी की झील है। जो तुर्की में स्थित है। |
| 3. कैस्पियन सागर | – विश्व की सबसे बड़ी व लम्बी झील जो दक्षिण-पश्चिम एशिया में स्थित है। |
| 4. मृत सागर | – संसार का सबसे गहराई/नीचे स्थित स्थान। |

एशिया की प्रमुख जल संधियाँ

1. मलक्का जल संधि – मलेशिया व इण्डोनेशिया के मध्य
2. बेरिंग जल संधि – प्रशान्त महासागर तथा आर्कटिक महासागर के मध्य (यह जल संधि एशिया को उत्तरी अमेरिका से अलग करती है)
3. पाक जल संधि – भारत तथा श्रीलंका के मध्य
4. फारमोसा जल संधि – पूर्वी चीन सागर तथा द. चीन सागर के मध्य (यह ताइवान व चीन के मध्य स्थित है)
5. होरमुज जल संधि – संयुक्त अरब अमीरात एवं ईरान के मध्य स्थित हैं।
6. सुण्डा जल संधि – जावा व सुमत्रा के मध्य।
7. बाव अल मंदेव जल संधि – लाल सागर व अदन की खाड़ी के मध्य स्थित है।

एशिया के प्रमुख सागर

क्र.स.	नाम	महासागरीय भाग
1.	बेरिंग सागर	प्रशान्त महासागर
2.	ओखोटस्क सागर	प्रशान्त महासागर
3.	पूर्वी साइबेरियन सागर	आर्कटिक महासागर
4.	दक्षिण चीन सागर	उत्तरी प्रशान्त महासागर
5.	पूर्वी चीन सागर	प्रशान्त महासागर
6.	लाल सागर	हिन्द महासागर
7.	बंगाल की खाड़ी	हिन्द महासागर
8.	अरब सागर	हिन्द महासागर
9.	जावा सागर	प्रशान्त महासागर

एशिया के प्रमुख मरुस्थल

1. थार मरुस्थल – भारत व पाकिस्तान के मध्य
 2. थाल मरुस्थल – पाकिस्तान
 3. गोबी मरुस्थल – मंगोलिया
 4. काला मरुस्थल – तुर्कमेनिस्तान
- जापान के ओसाका नगर को जापान का मैनचेस्टर कहते हैं।
 - सर्वा. सूती वस्त्र के कारखाने चीन में है अतः इसके शंघाई शहर को चीन का मैनचेस्टर कहा जाता है।
 - कौबा शहर (जापान) को खिलौना नगरी कहा जाता है।

एशिया में कृषि

- विश्व में सर्वप्रथम कृषि एशिया में प्रारम्भ हुई, यहाँ की 60% आबादी कृषि पर निर्भर है।
- एशिया में सबसे अधिक कृषि योग्य भूमि भारत में है।
- कजाकिस्तान में स्टेपी घास के मैदानी क्षेत्र को एशिया की रोटी भी कहा जाता है।
- इण्डोनेशिया के मल्लका द्वीप को "मसालों का द्वीप" कहा जाता है।
- उज्बेकिस्तान में कपास की अधिकता के कारण इसे कपास का बोरा कहा जाता है।

एशिया में स्थानांतरित कृषि के विभिन्न नाम

नाम	कृषि के नाम
1. इण्डोनेशिया	हुमाह / लडाग
2. श्रीलंका	चेन्ना
3. म्यांमार	टोंग्या (तोम्यो)
4. मलेशिया	लदांग
5. थाइलैण्ड	तमराई
6. उत्तरी-पूर्वी भारत	झूमिंग
7. राजस्थान	वालरा

- एशिया महाद्वीप विश्व का सर्वाधिक चावल उत्पादक देश है। चीन को "चावल का कटोरा" कहा जाता है, भारत विश्व में चावल उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है।
- अमेरिका सर्वाधिक मक्का उत्पादित करता है।
 - चाय – भारत, श्रीलंका
 - गन्ना – ब्राजील, भारत
 - जूट – भारत, बांग्लादेश
 - टर्की – फलों का स्वर्ग
 - रेशम – चीन

एशिया में खनिज उत्पादन

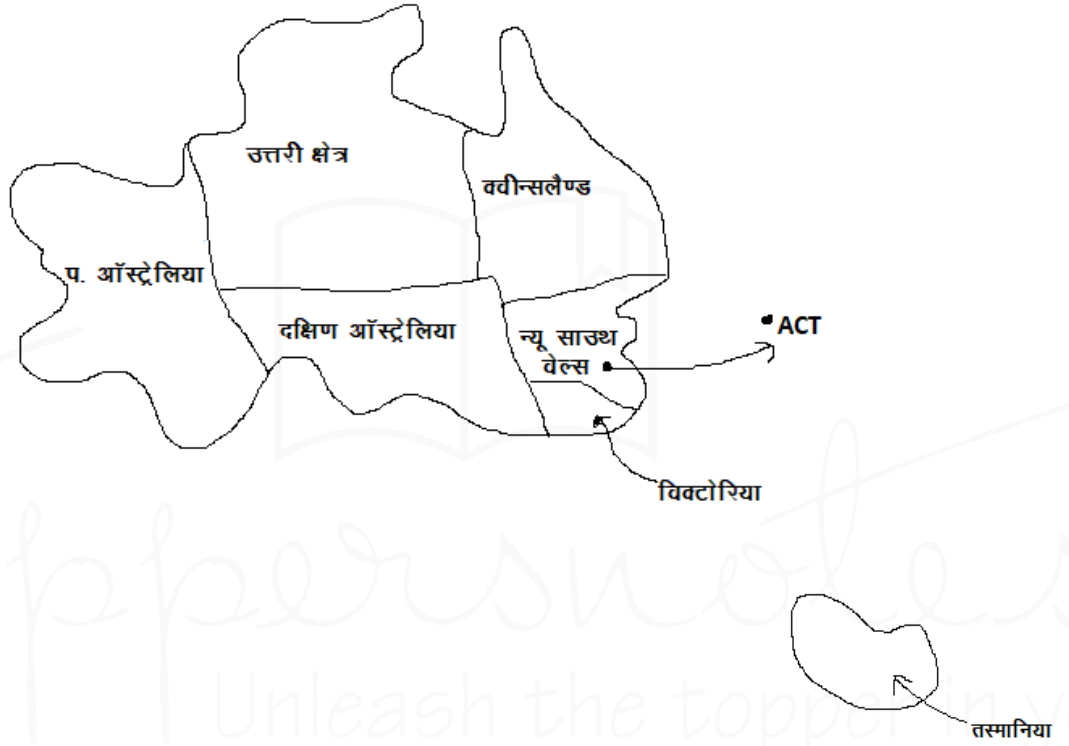
- खनिज तेल – ईरान, रूस, सऊदी अरब
- कोयला – चीन (उत्पादन प्रथम), रूस (भण्डार प्रथम)
- टीन – चीन, भारत
- सोना, चाँदी – रूस

विभिन्न देशों के उपनाम

- I. रत्नों का द्वीप – श्री लंका
- II. मूँगों के द्वीपों का देश – मालदीव
- III. एशिया का प्रवेश द्वार – तुर्की
- IV. एशिया की नाडी – मंगोलिया
- V. उगते सूरज का देश – जापान
- VI. पेगोडों का देश – म्यांमार
 - प्रशान्त महासागर का सबसे गहरा गर्त मेरियाना ट्रेंच है।
 - रूस का **बर्खोयान्स्क विश्व** का सबसे ठण्डा प्रदेश है।
 - विश्व का सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान – मासिनराम (मेघालय), भारत
 - विश्व का सबसे लम्बा रेलमार्ग – यिवु-मैड्रिड रेलवे मार्ग
 - यह रेल मार्ग 21 वीं शताब्दी का **"सिल्क रेलमार्ग"** का जाता है जो विश्व के 8 देशों से गुजरता है।
 - ट्रांस-साइबेरियन रेलमार्ग :- विश्व का दूसरा लम्बा रेलमार्ग है। यह रूस के मास्को से जापान के ब्लाडीवोस्तक तक है।

ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप

- यह विश्व का सबसे छोटा महाद्वीप है, जो चारों ओर से सागरों से घिरा है। अतः इसे द्वीपीय महाद्वीप कहा जाता है।
- ऑस्ट्रेलिया सबसे कम जनसंख्या वाला महाद्वीप है जिनको जेम्स कुक के द्वारा 1770 में खोजा गया है।
- इसके उत्तर-पूर्व में प्रशान्त महासागर व दक्षिण-पश्चिम में हिन्द महासागर स्थित है।
- ऑस्ट्रेलिया 6 राज्य एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेश में बँटा है।



राज्य	राजधानी
प. आस्ट्रेलिया	पर्थ
द. आस्ट्रेलिया	एडीलेड
क्वीन्सलैण्ड	ब्रिस्बेन
न्यू साउथ वेल्स	सिडनी
उत्तरी क्षेत्र	डार्विन
विक्टोरिया	मेलबर्न

केन्द्र शासित प्रदेश	राजधानी
1. केनबरा ऑस्ट्रेलिया केपिटल टेरीटरी (ACT)	केनबरा
2. तस्मानिया	होबार्ट

नदियाँ	झील	पर्वत
1. डार्लिंग नदी 2. मुर्रे नदी (सर्वाधिक लम्बी) 3. विक्टोरिया नदी 4. मुर्म ब्रिज या मुरुम बिडगी	1. बार्ली 2. वेल्स 3. मूर 4. टोरेन्स 5. आयर (यह 6.ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी झील है)	1. ग्रेट डिवाइडिंग रेंज 2. ब्लू माउन्टेन 3. ग्रे रेज 4. ऑस्ट्रेलियन आल्पस 5. ब्रोकन हिल्स 6. डस्टन श्रेणी 7. रेनाल्ड श्रेणी 8. ग्राम पियन श्रेणी कोस्यूस्को यह ऑस्ट्रेलिया की सर्वोच्च चोटी है।

मरुस्थल	खनिज	परिवहन
1. सिम्पसन 2. स्टुवर्ट 3. गिब्सन 4. ग्रेट 5. विक्टोरिया मरुस्थल 6. ग्रेट सैंडी	1. सर्वाधिक यूरेनियम 2. सोने के सर्वा. भण्डार कुलगार्डी, कालगुर्ली सोने की खानें है। 3. कोयला, लौहा, मैंगनीज मुख्य खनिज है।	1. ट्रांस कॉन्टिनेटल स्टुअर्ट हाइवे सबसे लम्बा सडक मार्ग है। 2. ऑस्ट्रेलिया में सडकों को कॉमन वैल्थ महामार्ग कहा जाता है। 3. ऑस्ट्रेलिया ट्रांस कॉन्टिनेटल रेलवे मार्ग ऑस्ट्रेलिया का सबसे लम्बा रेल मार्ग है।

नोट – आस्ट्रेलिया के उपनाम “द लैण्ड ऑफ गोल्डन फ्लीस” न्यू हॉलैण्ड

- विश्व की सबसे लम्बी मूंगा निर्मित दीवार “ग्रेट बैरियर रीफ” इसके पूर्वी तट के पास प्रशान्त महासागर में स्थित है। इसे “पानी में बगीचा” भी कहा जाता है।
- ऑस्ट्रेलिया शुष्क महाद्वीप है अतः इसे प्यासी भूमि का देश कहा जाता है।
- यहाँ पाये जाने वाले उष्ण कटिबंधीय एवं शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदानों को सवाना, डाउन्स कहा जाता है।
- यहाँ कंगारू, कोला, वजाबीज, वमटब, पोशमस आदि पशु-पक्षी पाये जाते हैं।
- ऑस्ट्रेलिया में पाये जाने वाले “कोकाबेरा” को लॉफिंग जैकास कहा जाता है, क्योंकि उसकी बोली किसी के हँसने जैसी है।
- ऑस्ट्रेलिया सर्वा. ऊन उत्पादक महाद्वीप है, यहाँ विश्व प्रसिद्ध मेरीनो भेड पाली जाती है।
- ऑस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला ऐमू बड़े आकार का पक्षी है जो उड़ नहीं सकता लेकिन शूतुरमुर्ग की भाँति तेज दौड़ सकता है।

अंटार्कटिका महाद्वीप

- यह विश्व का पाँचवा बड़ा महाद्वीप है, जो बर्फ से ढके होने के कारण श्वेत महाद्वीप कहलाता है।
- “फेबियन विलियम शॉसेन” अंटार्कटिका पहुँचने वाले प्रथम व्यक्ति थे।
- यह जनशून्य (मानव रहित) महाद्वीप है।
- ट्रांस अंटार्कटिका पर्वत इसको दो भागों में बाँटता है।
- यहाँ विश्व का सबसे बड़ा ग्लेशियर लैंबर्ट स्थित है।
- अंटार्कटिका की सर्वोच्च चोटी “विन्सन मैसिफ” है।
- यहाँ व्हेल व सील मुख्य स्तनधारी जीव पाये जाते हैं।

- अंटार्कटिका विज्ञान व वैज्ञानिकों के लिए अनुसंधान स्थल होने के कारण इसे "विज्ञान के लिए समर्पित महाद्वीप" कहा जाता है।
- यहाँ पर पाये जाने वाले प्रथम भारतीय गिरिराज सिंह सिरोही थे, इनके नाम पर यहाँ एक स्थान का नाम सिरोही पॉइंट रखा गया है। यहाँ भारत का प्रथम वैज्ञानिक दल जेड. आर. कासिम के नेतृत्व में 1981 में गया था।
- भारत 1995 में अंटार्कटिका के समुद्रीय जैव संरक्षण के सदस्य बने।
- भारत ने 1984 में अंटार्कटिका पर पहला स्थायी शोध केन्द्र दक्षिणी गंगोत्री स्थापित किया था।
- मैत्री संस्थान – 1993
- भारती केन्द्र – 2009
- एर्बुस शिखर यहाँ एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है।

अफ्रीका महाद्वीप

- अफ्रीका महाद्वीप संसार का दूसरा बड़ा महाद्वीप है, जिसका क्षेत्रफल पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल का 20% व विश्व की 12% जनसंख्या निवास करती है।
- अफ्रीका विश्व का सबसे प्राचीन स्थलखण्ड व गोंडवाना लैण्ड का भाग है।
- अफ्रीका महाद्वीप के उपनाम – 1. काला महाद्वीप 2. अंध महाद्वीप 3. भविष्य का महाद्वीप
- अफ्रीका एक मात्र ऐसा महाद्वीप है जिनसे विषुवत रेखा (भूमध्य रेखा), कर्क रेखा, मकर रेखा तीनों अक्षांश रेखाएँ गुजरती हैं। अतः इस महाद्वीप का अधिकांश भाग ऊष्ण कटिबंधीय है।
- अफ्रीका महाद्वीप को एशिया से लाल सागर व यूरोप से भूमध्य सागर अलग करता है।



नोट – अफ्रीका महाद्वीप चारों गोलाद्धों में स्थित है।

- अफ्रीका महाद्वीप एशिया से स्वेज जल संधि द्वारा जुड़ा हुआ है, वहीं यूरोप से जिब्राल्टर जल संधि जोड़ती है।

जलवायु

- अफ्रीका महाद्वीप में ऊष्ण कटिबंधीय जलवायु का विस्तार है।
- यहाँ विश्व का सर्वा. तापमान 59°C अल अजीजिया (लीबिया) में पाया जाता है।
- कांगो बेसिन व गिनी तट पर सर्वाधिक वर्षा होती है, यहाँ वर्षा शीत ऋतु में होती है व ग्रीष्म ऋतु शुष्क रहती है।
- अफ्रीका में ऊष्ण घास के मैदानों को सवाना तथा शीतोष्ण घास के मैदानों को वेल्डास कहा जाता है।